गुम सुम क्यों बैठी हो

गुम सुम क्यों बैठी हो राधा हम से क्यों रूठी हो ,
ओ राधा द्वार खोल दे हम से हस बोल दे,
ओ राधा जरा बोल दे,
ओ राधा द्वार खोल दे हम से हस बोल दे,

हीरे की नथनी सोने की पायलियाँ लेके मैं आया लाल चुनरियाँ ,
चुनरी में झील मिल लाख सितारे जरा देख ले कितने है प्यारे,
राधा राधा कब से पुकारे कब से खड़े है द्वार तुम्हारे,
ओ राधा द्वार खोल दे हम से हस बोल दे,

अपने इस दीवाने को राधा यु न तुम तरसाया करो,
आया तेरा प्रेम पुजारी प्रेम सुधा बरसाया करो,
जन्म जन्म की प्यास ले आया तेरे मिलन की आस में आया,
ओ राधा द्वार खोल दे हम से हस बोल दे,

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/16346/title/gum-sum-kyu-bethi-ho

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |